www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–12 दिसम्बर –2024

इस अंक में...

- फुटबॉल टूर्नामेंट P. 2
- फील्ड विजिट P. 3
- तीन कंद फसल की किस्में P. 3
- एंथुरियम और आर्किड फूल प्रदर्शन इकाई P. 4
- कृषि ज्ञान वाहन की यात्रा P. 5
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

जैसे-जैसे हम 2024 के समापन की ओर बढ़ रहे हैं, मुझे पिछले महीने में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों और उनके विशेष गतिशील पलो को साझा करते हुए अत्यंत गर्व का अनुभव हो रहा है

शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, 2024-25 शैक्षणिक सत्र के लिए 600 छात्रों (384 स्नातक और 216 स्नातकोत्तर) के सफल प्रवेश कृषि शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में रा.प्र.के.कृ.वि. की स्थिति को मजबूत करती है। हमारे दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफल आयोजन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही, जिसका समापन 1 नवंबर, 2024 को प्रदक्षिणा समारोह के रूप में हुआ। इस कार्यक्रम ने व्यापक कौशल-निर्माण गतिविधियों और प्रेरक व्याख्यानों के माध्यम से 332 स्नातक छात्रों को सफलतापूर्वक शिक्षित किया। हमें डॉ. राकेश चंद्र अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा प्रभाग) KAB-II, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) को मुख्य अतिथि के रूप में पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके द्वारा हमारी अग्रणी पहलों की उनकी प्रशंसा विशेष रूप से संतोषप्रद एवं उत्साहवर्धक रही।

कृषि-व्यवसाय और ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के हमारे 2022-24 बैच के छात्रों की असाधारण उपलब्धि की घोषणा करते हुए मुझे गर्व हो रहा है, उन्होंने 100% प्लेसमेंट हासिल किया है। यह उपलब्धि कृषि क्षेत्र में उद्योग-एवं कृषि व्यवसाय को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

"मशरूम पनीर और इसे बनाने की विधि" के लिए पेटेंट की स्वीकृति के साथ हमारी अनुसंधान उत्कृष्टता ने नई ऊंचाइयों को छुआ। यह नवाचार हमारी अनुसंधान टीम की नवीन क्षमताओं का प्रमाण है।

हमारे विश्वविद्यालय की खेल भावना तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट (14-16 नवंबर, 2024) के दौरान प्रमुखता से प्रदर्शित हुई, जहां हमारे छात्रों ने असाधारण खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया।

कृषि समुदायों को सशक्त बनाने के लिए हमारे प्रसार शिक्षा निदेशालय ने चार प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे पुरे बिहार के किसानों को श्री अन्न की खेती, मशरूम उत्पादन, विपणन और अन्य क्षेत्रों में कौशल का लाभ प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, 207 किसानों और ग्रामीण युवाओं को उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित किया गया, जिसके सत्तत कर खेती के तरीकों के विकास में विश्वविद्यालय द्वारा सहयोग किया गया।

कृषि उत्पादकता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, हमारे संसाधन सृजन से परिलक्षित होती है। जिसका प्रभाव हमारे प्रमुख फसलों (अरहर, मक्का, धान और मूंग) के बीज और गैर-बीज की बिक्री से 91 लाख रुपये से अधिक की राजस्व प्राप्त हुआ है।

मैं अपने पूरे विश्वविद्यालय समुदाय - छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को हमारे संस्थान के विकास और सफलता में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उनकी हार्दिक सराहना करता हूँ। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, आइए हम कृषि नवाचार और सामाजिक विकास की दिशा में अपने सहयोगी प्रयासों को जारी रखें।

आप सभी को आनंदमय दिसम्बर की शुभकामनाएं।

पुण्यव्रत

(पुण्यव्रत सविमलेन्दु पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के बैच 2024-28 के नव प्रवेशित छात्रों के लिए 4 नवंबर 2024 को ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों और इकाई प्रधानों ने अपना परिचय दिया। छात्रों ने अपने संबंधित विभागों और इकाइयों का भी भ्रमण किया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** में विश्वविद्यालय के अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री विद्यासागर, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), मुजफ्फरपुर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। 14-16 नवंबर, 2024 तक आयोजित इस टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय के आठ महाविद्यालयों के बीच नॉकआउट मैच खेले गए। इस प्रतियोगिता में कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम विजेता, जबकि तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की टीम उपविजेता रही।

➢ **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी** के छात्रों ने 14 से 16 नवंबर तक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेलों में सक्रिय रूप से भाग लिया। फुटबॉल टूर्नामेंट में, पीडीयूसीएचएंडएफ, पिपराकोठी के छात्रों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

➢ **व्यावहारिक फसल उत्पादन कार्यक्रम के तहत,** तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के 5वें सेमेस्टर के छात्रों ने 28 और 30 नवंबर 2024 को फसल कैफेटेरिया में धान की फसल की कटाई, खेत की रूपरेखा और विभिन्न रबी फसलों की बुवाई जैसी विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों में भाग लिया।

➢ **ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम पूरा होने के उपरांत,** 30 नवंबर, 2024 को 7वें सेमेस्टर के छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के दौरान अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के साथ मूल्यांकन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

➢ **बी.टेक और एम.टेक छात्रों का वाल्मीकि नगर फील्ड विजिट** बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) के सातवें सेमेस्टर और एम.टेक (मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी) तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए 28 से 30 नवंबर 2024 तक वाल्मीकि नगर, पश्चिम चंपारण में फील्ड विजिट आयोजित किया गया। इस फील्ड विजिट का उद्देश्य विभिन्न जल भंडारण और डायवर्ट संरचनाओं, कटाव नियंत्रण उपायों, नहर नेटवर्किंग और संबंधित विषयों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसके लिए वाल्मीकि नगर बैराज का सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण में इसकी भूमिका और गंडक नहर प्रणाली का इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए प्राप्त योगदान का अवलोकन कराया गया। यह कार्यक्रम डॉ. आर के साहू (सह - प्राध्यापक) और डॉ. अमर कान्त गौतम (सहायक प्राध्यापक), मृदा और जल संरक्षण इंजीनियरिंग विभाग, के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की कंद फसल किस्मों को सीवीआरसी द्वारा अधिसूचित किया गया** रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा की तीन कंद फसल किस्मों राजेंद्र शकरकंद-7, राजेंद्र मिश्रीकंद-3 और राजेंद्र अरवी-2 को उनके बेहतर गुणवत्ता मापदंडों के साथ उच्च उपज क्षमता के आधार पर सीवीआरसी द्वारा भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण खंड भाग-II द्वारा दिनांक 13 नवंबर, 2024 को अधिसूचित किया गया।

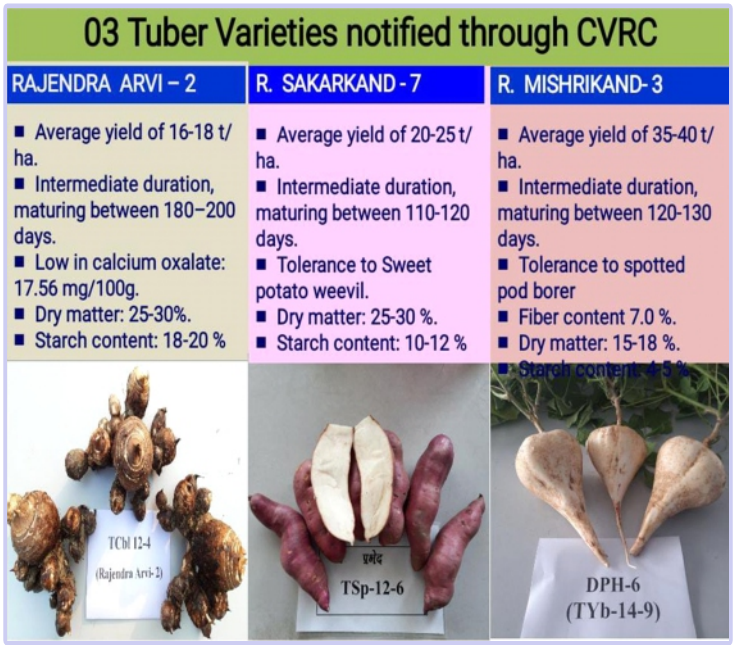

➢ **डॉ. बलवंत कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पौध प्रजनन विभाग एवं डॉ. डी.एन. कामत, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पौधा प्रजनन) और गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा** ने क्रमशः 24 अक्टूबर से 4 नवंबर 2024 एवं 9 से 20 नवंबर, 2024 तक गन्ना राष्ट्रीय संकरण उद्यान, भा.कृ.अनु.प. -एसबीआई, कोयंबटूर (तमिलनाडु) लाल सड़न प्रतिरोधी और उच्च गुणवत्ता वाले गन्ने के क्रॉसिंग कार्यक्रम में भाग लिया।

➢ **गन्ना अनुसंधान संस्थान (एसआरआइ), पूसा** में 20 नवंबर, 2024 को गन्ना अनुसंधान प्रसार सलाहकार समिति की (एसआरईएसी) मास परियोजना के अंतर्गत सलाहकार सेवा बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, उनके साथ निदेशक प्रसार एवं श्री सुनील कुमार पंकज, संयुक्त सचिव, गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम में निदेशक, गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा के साथ गन्ना प्रतिनिधि/विभिन्न गन्ना मिलों के अधिकारी, केवीके प्रमुख एवं विभिन्न मिल क्षेत्र से बड़ी संख्या में आए गन्ना किसानों ने भाग लिया और गन्ना खेती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **केवीके, वैशाली में एंथुरियम और आर्किड फूल प्रदर्शन इकाई स्थापित की गई है।** केवीके वैशाली के वैज्ञानिकों ने सोनपुर कृषि मेले में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों जैसे केला फाइबर तकनीक का प्रदर्शन किया।

➢ **केवीके, परसौनी ने अपने परिसर में किसानों के लिए एक नई पहल शुरू की है।** जिसका उद्देश्य मौजूदा कृषि प्रणालियों में प्राकृतिक खेती के घटकों को शामिल करके मिट्टी की उर्वरता में सुधार करना और किसानों के स्वास्थ्य और समृद्धि को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक खेती आधारित सब्जी नर्सरी की स्थापना की गई। बीजामृत, घनजीवामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे विभिन्न घटक तैयार किए गए और बीज बोने से पहले सब्जी के बीजों को बीजामृत और नर्सरी बेड को घनजीवामृत से उपचारित किया गया। जिसमें पाया गया है की 90% से अधिक बीज अंकुरित हुए जिसमें किसानों ने उत्सुकता पूर्वक ख़रीदा।

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि.-कृषि ज्ञान वाहन** द्वारा नवंबर 2024 में मधुबनी जिले के फुलपरास गांव में किसानों और कृषि महिलाओं को विभिन्न रबी फसलों की उन्नत प्रथाओं को प्रदर्शित करने वाले वीडियो और लघु फिल्में प्रस्तुत की गईं।

➢ **कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** के कृषि मशीनरी स्टॉल को 29 नवंबर से 2 दिसंबर, 2024 तक पटना के गांधी मैदान में आयोजित बिहार कृषि मेला 2024 में प्रदर्शित किया गया। जिसमें संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और किसान पाठशाला आयोजित सत्रों में ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **प्रसार शिक्षा निदेशालय:** नवंबर 2024 के महीने के दौरान, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा चार (04) प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिन्हें बामेती, पटना और आत्मा, बिहार द्वारा प्रायोजित किया गया। ये प्रशिक्षण बिहार के विभिन्न जिलों के किसानों के लिए श्रीअन्न की खेती, मशरूम उत्पादन, पैकेजिंग और विपणन, दलहन उत्पादन जैसे विषयों पर केंद्रित थे। ये कार्यक्रम प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. मयंक राय के नेतृत्व में आयोजित किए गए। इनमें प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों द्वारा ऑडियो-विजुअल प्रारूप में दिए गए व्याख्यान, साथ ही प्रगतिशील किसानों के लिए परिसर के अंदर और बाहर व्यावहारिक प्रदर्शन और फील्ड विजिट को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण विषयों और बीजों से संबंधित पुस्तिकाएँ भी वितरित की गईं।

➢ **केवीके सुखेत ने सीएफएलडी परियोजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए** और मधुबनी जिले के 5 क्लस्टर गांवों ठाठरी, हर्री, जहलीपट्टी, मनसापुर, मरनटोला के भाग लेने वाले किसानों को इनपुट के रूप में अलसी और सरसों के बीज वितरित किए। केवीके सुखेत के वैज्ञानिकों ने जिला कृषि विभाग द्वारा आयोजित रबी महाभियान 2024 में भी भाग लिया। उन्होंने किसानों को उन्नत खेती के तरीकों, जैविक खेती के लाभ, हरी खाद का उपयोग, वर्मीकम्पोस्ट, दलहन और तिलहन की बुवाई, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए अजोला और कृषि इनपुट लागत को कम करने के लिए जीरो टिलेज और हैप्पी सीडर जैसी मशीनीकृत प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया। ये कार्यक्रम नवंबर 2024 में गोघरडीहा, अंधराठाढ़ी, फुलपरास और लखनौर जैसे ब्लॉकों में आयोजित किए गए।

विशेष उपलब्धि

➢ **डॉ. शिवेंद्र कुमार, प्राध्यापक, , मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली को पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया** और उन्होंने 18-19 नवंबर, 2024 को किशनगंज के मत्स्यकी महाविद्यालय में आयोजित सतत मत्स्य पालन और पशुधन उत्पादन के लिए पर्यावरण प्रबंधन में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'मास्टर्स रिसर्च कंसोर्टियम' के सैटेलाइट सत्र में "टेक्नोलॉजिकल इन्नोवेशंस इन एक्वाकल्चर रिसर्च- चैलेंजेज एंड फ्यूचर ओप्पोरचुनिटीज़ " पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। सम्मेलन में मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुकेश कुमार सिंह और श्री आर.के. ब्रह्मचारी ने भी भाग लिया।

➢ **डॉ. एस एन सुमन, सह प्राध्यापक (मृदा विज्ञान), कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय** ने 19-22 नवंबर 2024 के दौरान एनएएएसकॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी

द्वारा आयोजित वैश्विक मृदा सम्मेलन में भाग लिया और अपना शोध प्रस्तुत किया।

➢ **दिक्षा श्रीवास्तव की एमएससी थीसिस "अवेयरनेस एंड एडॉप्शन ऑफ़ जन औषधि सुविधा सैनिटरी नैपकिन"** को एफएओ वेबसाइट पर 20 नवंबर 2024 को खाद्य सुरक्षा और पोषण अनुभाग पर वैश्विक मंच और समावेशी ग्रामीण परिवर्तन और लैंगिक समानता के लिए सामुदायिक जुड़ाव के तहत दिखाया गया। डॉ सुधानंद प्रसाद लाल (सहायक प्राध्यापक सह वैज्ञानिक, कृषि प्रसार शिक्षा) और डॉ रत्नेश कुमार झा (पीआई-सीआरएपी) इसके सह-लेखक है। यह लेख https://www.fao.org/fsnforum/member/diksha-

srivastava पर उपलब्ध है।

पुरस्कार

➢ **डॉ. विशाल कुमार को 12.11.2024 को वसंतराव नाइक मराठवाड़ा, कृषि विद्यापीठ (वीएनएमकेवी), परभणी में** भारतीय कृषि इंजीनियर्स सोसायटी (आईएसएई) के 58वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "आईएसएई विशिष्ट सेवा पुरस्कार 2024" प्राप्त हुआ।

➢ **डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को "मशरूम पनीर और इसे बनाने की विधि" के विकास के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है।** पिछले दो वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय को दिया गया यह 12वां पेटेंट है। माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने इस नवीन तकनीक को विकसित करने के लिए डॉ. दयाराम के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी और कहा कि पेटेंट का पुरस्कार समाज के कल्याण के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

डॉ. राकेश चंद्र अग्रवाल

उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा, प्रभाग) कैब-II,

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

दिनांक 01 नवंबर, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. अजय कुमार सिंह

कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार

दिनांक 01 नवंबर, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री विद्यासागर

आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), मुजफ्फरपुर

दिनांक 14 नवंबर, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री सुनील कुमार पंकज

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव

दिनांक 20 नवंबर, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ **दिनांक 30 नवंबर 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।**

1. **डॉ. डी.के. सिन्हा**
   प्राध्यायक, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा
2. **डॉ. अर्चना कुमारी**
   एसटीओ (टी6), सी.सी.एससी., पूसा
3. **श्री विजय कुमार तिवारी**
   टीओ (टी5), कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा
4. **श्री रामबृक्ष राय एसएसएस**
   सी.सी.एससी., पूसा
5. **श्री योगेन्द्र पोद्दार**
   एसएसएस, टीसीए, ढोली
6. **श्री रामस्वार्थ राय**
   एसएसएस, टीसीए, ढोली
7. **श्री सत्यनारायण राय**
   एसएसएस, टीसीए, ढोली

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
डॉ. ए. के. गौतम

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in